खबर संक्षेप

कुएं में मिली लाश, कप्तान से लगाई न्याय की गुहार

शहडोल। जिला मुख्यालय की जनसुनवाई में मंगलवार को जब एक बेबस पिता अपनी फरियाद लेकर पहुंचा, तो पुलिसिया कार्यप्रणाली की ऐसी कलई खुली कि सुनने वालों के कान खड़े हो गए। थाना सिंहपुर क्षेत्र के ग्राम सिगुड़ी निवासी ओमप्रकाश उर्फ नान भईया की संदिग्ध मौत का मामला अब एक सुनियोजित हत्या और उसके बाद पुलिस की रहस्यमयी चुप्पी के इर्द-गिर्द सिमट गया है। मामला 28 अक्टूबर 2025 का है। ओमप्रकाश, संजय कोल के बेटे के जन्मदिन में शामिल होने गया था, लेकिन घर नहीं लौटा। बाद में उसकी लाश ग्राम निपनिया के एक कुएं में कचरे के साथ सड़ी-गली अवस्था में मिली। परिजनों का आरोप है कि यह कोई हादसा नहीं, बल्कि ऑनर किलिंग जैसी सुनियोजित हत्या है। मृतक का एक युवती से पुराना संबंध था, जिसका पति उस पार्टी में मौजूद था। आरोप है कि इन्हीं लोगों ने मिलकर ओमप्रकाश को मौत के घाट उतारा और साक्ष्य मिटाने के लिए शव कुएं में फेंक दिया। परिजनों ने एसपी को सौंपे पत्र में सिंहपुर थाना प्रभारी पर सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। पीड़ित पिता शम्भू कोल का कहना है कि जब वे शिकायत लेकर थाने गए, तो साहब ने आवेदन लेने तक से इनकार कर दिया। बार-बार गिड़गिड़ाने के बाद भी न तो एफआईआर हुई और न ही मुख्य गवाहों के बयान दर्ज किए गए। सवाल उठता है कि सिंहपुर पुलिस आखिर किसे बचाने के लिए तथ्यों की गला घोंट रही है? क्या रसूखदारों के दबाव में एक गरीब की जान की कोई कीमत नहीं रह गई है? पीड़ित परिवार ने आरोपी संजय कोल के मोबाइल की कॉल डिटेल खंगालने की मांग की है। परिजनों का दावा है कि यदि फोन कॉल्स की बारीकी से जांच हो जाए, तो हत्यारों के साथ-साथ उन्हें कवर देने वाले पुलिसकर्मियों के चेहरे भी बेनकाब हो जाएंगे। जनसुनवाई में एसपी ने जांच का आश्वासन तो दिया है, लेकिन सवाल वही है कि क्या फाइलों के बोझ तले दब चुकी इस हत्या को इंसाफ मिलेगा या सिंहपुर पुलिस का टालमटोल वाला रवैया एक पिता की उम्मीदों का कत्ल कर देगा।

लूट के आरोपियों पुलिस ने 72 घंटे में दबोचा

शहडोल। इलाके में दहशत का पर्याय बनी पल्सर गैंग के दुस्साहस का जयसिंहनगर पुलिस ने करारा जवाब दिया है। 3 जनवरी की रात को एक के बाद एक दो सनसनीखेज लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले शातिर बदमाशों को पुलिस ने महज तीन दिनों के भीतर दबोच लिया है। पुलिस के शिकंजे में एक मुख्य आरोपी सहित तीन विधि विरुद्ध बालक आए हैं। वारदातों का तरीका किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं था। पहली घटना में बदमाशों ने एक डिलीवरी बॉय को रोककर डंडे से बेरहमी से पीटा और उससे 15 हजार नगदी व मोबाइल छीन लिया।

भटिया मंदिर में सरकारी बुल्डोजर की आहट

सीएम के दौरे से पहले गरीबों की रोजी-रोटी पर प्रहार

शहडोल।

एक तरफ प्रदेश की भाजपा सरकार सबका साथ-सबका विकास और रोजगार के लुभावने नारे गढ़ रही है, तो दूसरी तरफ जैतपुर प्रशासन ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे से पहले अपनी अति-सक्रियता दिखाते हुए गरीबों के चूल्हे बुझाने की तैयारी कर ली है। भटिया माता मंदिर ट्रस्ट के उन दुकानदारों को, जो दशकों से श्रद्धा और मेहनत की बदौलत अपना घर चला रहे थे, रातों-रात बेदखली का नोटिस थमा दिया गया है। प्रशासन के इस अंधे कानून ने मंदिर प्रांगण में बरसों से जमी दुकानों पर संकट के बादल मंडरा दिए हैं।

रात के अंधेरे में तुगलकी फरमान

जैतपुर तहसीलदार का यह नोटिस किसी सरकारी आदेश से ज्यादा तुगलकी फरमान जैसा महसूस हो रहा है। रात के अंधेरे में जब दुकानदार घर लौटने की तैयारी में थे, तब उन्हें अतिक्रमण हटाने का अल्टीमेटम थमाया गया। नोटिस देखते ही वर्षों से दुकान लगा रहे छोटे व्यापारियों के पैरों तले जमीन खिसक गई। महिलाएं और बुजुर्ग दुकानदार कैमरे के सामने रोते-बिलखते अपनी आपबीती सुना रहे हैं। उनका एक ही सवाल है कि साहब, अगर दुकानें उजाड़ दीं, तो हम अपने बच्चों को जहर खिला दें?

सीएम की चकाचौंध के लिए गरीबों की बलि

क्षेत्र में चर्चा है कि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान सडक़ों और रास्तों को चकाचक दिखाने के लिए प्रशासन ने इन छोटे दुकानदारों को बलि का बकरा बनाया है। सवाल उठता है कि जो दुकानें बरसों से अवैध नहीं थीं, वे सीएम के दौरे की खबर आते ही अचानक अतिक्रमण कैसे बन गईं, क्या सत्ता की चमक दिखाने के लिए गरीबों की आजीविका को रौंदना ही जिला प्रशासन का नया प्रोटोकॉल है?

विधायक का आश्वासन या महज चुनावी मरहम

मामले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्रीय विधायक जयसिंह मरावी ने दुकानदारों के बीच पहुंचकर उन्हें आश्वासन तो दिया है कि दुकानें नहीं हटेंगी, लेकिन प्रशासनिक नोटिस ने डर का जो माहौल पैदा किया है, उसे खत्म करना आसान नहीं है। जनता पूछ रही है कि जब भाजपा के ही विधायक आश्वासन दे रहे हैं, तो उनकी अपनी सरकार का प्रशासन किसके इशारे पर इन गरीबों को डरा रहा है, क्या यह सिर्फ गुड कॉप-बैड कॉप का राजनीतिक खेल है।

श्रद्धालुओं की बढ़ेगी आफत

भटिया माता मंदिर संभाग की आस्था का केंद्र है। यहां लगने वाली दुकानें न केवल रोजगार का जरिया हैं, बल्कि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पूजन सामग्री और अन्य सुविधाओं का एकमात्र साधन भी हैं। यदि प्रशासन इन दुकानों को हटाता है, तो मंदिर आने वाले भक्तों को भारी असुविधा होगी। क्या जैतपुर प्रशासन और तहसीलदार यह गारंटी देंगे कि इन दुकानों को उजाडऩे के बाद वे इन परिवारों को नया रोजगार मुहैया कराएंगे या फिर अतिक्रमण के नाम पर केवल गरीबों को ही निशाना बनाया जाता रहेगा।

हर वर्ष हो रही किराया वसूली

वर्ष 1985 से केदार गुप्ता चौय नास्ते की दुकान चला रहे, उन्होंने बताया कि तहसील कार्यालय से उन्हें नोटिस मिला है कि 6 तारीख तक दुकान हटा ले। मंदिर ट्रस्ट 10 हजार रूपये साल में किराया लिया जाता है।

मुख्यमंत्री का आगमन है दुकान हटा लो

विष्णु प्रसाद गुप्ता चाय-नास्ते की दुकान 3 पीढ़ी से चला रहे है, हर छः माह में मंदिर ट्रस्ट द्वारा किराया वसूली की जाती है, श्री गुप्ता ने बताया कि उन्हें नोटिस मिला और कहा गया कि मुख्यमंत्री जी का आगमन है, दुकान 6 जनवरी तक हटा लो।

बेटियों के दुश्मनों पर पुलिस का प्रहार

एक दरिंदा सलाखों के पीछे, तीन नाबालिग सुरक्षित दस्तयाब

शहडोल। जिले की पुलिस ने नाबालिग बेटियों की सुरक्षा और लापता बालिकाओं की बरामदगी के लिए एक साथ तीन मोर्चों पर बड़ी सफलता हासिल की है। जैतपुर, अमलाई और गोहपारू पुलिस की सक्रियता ने न केवल तीन परिवारों की खुशियां लौटाई हैं, बल्कि मासूमियत से खेलने वाले एक दरिंदे को जेल की कालकोठरी तक भी पहुँचाया है।

प्रेम का झांसा देकर लूटी अस्मत

सबसे बड़ी कामयाबी जैतपुर पुलिस के हाथ लगी है। 28 नवंबर 2025 को गायब हुई एक नाबालिग बालिका को पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद दस्तयाब किया। जांच में जो सच सामने आया, उसने खाकी के भी तेवर सख्त कर दिए। बालिका के बयानों के आधार पर पता चला कि आरोपी नीलेश सिंह उम्र 22 वर्ष निवासी गोहपारू ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। थाना प्रभारी जियाउल हक की टीम ने मामले में तत्काल पॉक्सो एक्ट और बलात्कार की धाराएं बढ़ाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। हवस के शिकारी को अब माननीय न्यायालय ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पुलिस की तत्परता से घर लौटीं लाडलियां

26 दिसंबर को घर से लापता हुई 16 वर्षीय किशोरी के मामले में अमलाई पुलिस ने संवेदनशीलता दिखाई। परिजनों ने अपहरण का संदेह जताया था, जिस पर थाना प्रभारी जे.पी.एम. शर्मा के नेतृत्व में टीम ने घेराबंदी की और 5 जनवरी को बालिका को सुरक्षित ढूंढ निकाला। यहां पुलिस ने रिकॉर्ड तोड़ गति से काम किया। 4 जनवरी को गायब हुई 17 वर्षीय बालिका को गोहपारू थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा की टीम ने महज 48 घंटों के भीतर दस्तयाब कर लिया।

संवेदनहीन अपराधियों को कड़ा संदेश

इन कार्यवाहियों ने साबित कर दिया है कि जिले में नाबालिगों के साथ बहलाने-फुसलाने या अपराध करने वालों की अब खैर नहीं है। जैतपुर से लेकर अमलाई तक, पुलिस की सायबर सेल और जमीनी मुखबिर तंत्र ने मिलकर अपराधियों के मंसूबों को मिट्टी में मिला दिया है। इस पूरी मुहिम में निरीक्षक जियाउल हक, जे.पी.एम. शर्मा और राजकुमार मिश्रा सहित उनकी टीम के आरक्षक मयंक मिश्रा, सत्यप्रकाश और अन्य जवानों की भूमिका की जिले भर में सराहना हो रही है।

शहडोल मेडिकल कॉलेज में मानवता का शर्मसार

मर्चुरी के बाहर नवजात को नोचते रहे कुत्ते

शहडोल। जिन्हें हम धरती का भगवान कहते हैं और जिस संस्थान को जीवन का मंदिर माना जाता है, वहां से रूह कंपा देने वाली एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने शहडोल ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश को शर्मसार कर दिया है। संभाग के सबसे बड़े बिरसा मुण्डा मेडिकल कॉलेज में संवेदनहीनता की सारी हदें पार हो गईं। यहां एक बेबस नवजात के शव को आवारा कुत्ते मर्चुरी के पास सरेआम नोचते रहे, मांस के लोथड़े चबाते रहे, लेकिन अस्पताल प्रबंधन की कुंभकर्णी नींद नहीं खुली। मर्चुरी (शव गृह) के पास का दृश्य इतना वीभत्स था कि पत्थर दिल इंसान की भी चीख निकल जाए। एक नवजात का मासूम शरीर जमीन पर पड़ा था और आवारा कुत्तों का झुंड उसे अपना शिकार बना रहा था। कुत्तों ने नोच-नोच कर मासूम के कमर के नीचे का हिस्सा गायब कर दिया था। जब कुछ राहगीरों की नजर इस खौफनाक मंजर पर पड़ी, तब कहीं जाकर पत्थरों और डंडों से कुत्तों को भगाया गया। सवाल यह है कि जिस वक्त कुत्ते मासूम को बोटी-बोटी कर रहे थे, उस वक्त सुरक्षा गार्ड और जिम्मेदार अधिकारी कहां पिकनिक मना रहे थे। घटना का एक रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है। वीडियो में दिख रही मेडिकल कॉलेज की बदहाली बता रही है कि यहां सुरक्षा और निगरानी के नाम पर सिर्फ कागजी खानापूर्ति होती है। इस अमानवीय कांड के पीछे दो थ्योरी सामने आ रही हैं। पहली यह कि किसी कलंकित सामाजिक डर के कारण किसी ने नवजात को चुपचाप मर्चुरी के पीछे फेंक दिया, लेकिन अगर ऐसा है, तो यह मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा तमाचा है कि कोई भी आता है और परिसर में लाश फेंक कर चला जाता है। दूसरी आशंका और भी डरावनी है, क्या यह मेडिकल कचरे के निपटान में घोर लापरवाही का मामला है, क्या अस्पताल प्रबंधन ने नियम-कायदों को ताक पर रखकर नवजात के शव को लावारिस छोड़ दिया? हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी घटना के बाद भी मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने मौन व्रत धारण कर लिया है। न कोई स्पष्टीकरण, न कोई जांच कमेटी और न ही किसी पर कार्रवाई। स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल परिसर में आवारा कुत्तों का जमावड़ा कोई नई बात नहीं है, लेकिन प्रबंधन ने कभी इसे गंभीरता से नहीं लिया। आज उसी लापरवाही ने एक नवजात की अंतिम गरिमा को भी कुत्तों के पैरों तले रौंदवा दिया। यह सिर्फ एक नवजात के शव के साथ हुई दरिंदगी नहीं है, यह शहडोल मेडिकल कॉलेज के उस भ्रष्ट और लापरवाह ढांचे की हकीकत है, जो इंसानों को केवल आंकड़ा समझता है।

नए अधिवक्ताओं को न्यायालय में अधिक समय देना चाहिएः प्रधान न्यायाधीश

शहडोल। जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में नव वर्ष 2026 का आगाज महज औपचारिक शुभकामनाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह नए अधिवक्ताओं के लिए सफलता का गुरुमंत्र बन गया। नव वर्ष मिलन समारोह के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के.एन. सिंह ने स्पष्ट लहजे में कहा कि कानूनी बारीकियों में पारंगत होने का कोई शॉर्टकट नहीं है, यदि युवा अधिवक्ता खुद को भविष्य का दिग्गज बनाना चाहते हैं, तो उन्हें न्यायालय की चौखट पर अपना अधिकतम समय खपाना होगा।

समारोह में प्रधान न्यायाधीश ने कड़ाके की ठंड के बावजूद समय पर कोर्ट पहुंचने वाले अधिवक्ताओं की कर्मठता की सराहना की। उन्होंने एक नई पहल का सुझाव देते हुए कहा कि कानूनी विषयों पर मासिक सेमिनार आयोजित होने चाहिए। न्यायाधीश के मुताबिक, जब तक विधिक विषयों पर गहन चर्चा नहीं होगी, तब तक नई पीढ़ी के वकील वाद की बारीकियों और जटिल प्रक्रियाओं को नहीं समझ पाएंगे।

पढ़ोगे नहीं, तो लड़ोगे कैसे ?

स्टेट बार कौंसिल के सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता डी.एन. पाठक ने युवाओं को आईना दिखाते हुए कहा कि 2026 का उत्साह तभी सार्थक है जब युवा अधिवक्ता पढऩे की आदत डालें। उन्होंने दो टूक कहा जब तक पढ़ेंगे नहीं, तब तक सीखेंगे नहीं। वहीं जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राकेश सिंह बघेल ने दो टूक शब्दों में कहा कि एक वकील की पहचान सिर्फ उसकी दलीलों से नहीं, बल्कि उसके काम की परिपक्वता से होती है। पक्षकार को न्याय दिलाना ही हमारा अंतिम संकल्प होना चाहिए।

समारोह के मंच पर प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय शशि भूषण शर्मा, प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश कमलेश कोल सहित न्यायिक मजिस्ट्रेटों की पूरी टीम मौजूद थी। कार्यक्रम में शिरीष नंदन श्रीवास्तव के काव्य पाठ ने समां बांधा। अधिवक्ता संघ के सचिव अनिल कुमार तिवारी, उपाध्यक्ष सतीश पाठक और सुमित त्रिपाठी सहित जिले के तमाम दिग्गजों की मौजूदगी में यह संकल्प लिया गया कि शहडोल जिला न्यायालय से प्रदेश के सबसे बेहतरीन अधिवक्ता तैयार किए जाएंगे।

800 ग्राम के मासूम ने जीती जिंदगी की जंग

शहडोल। चिकित्सा विज्ञान जब हार मान लेता है, वहां से अक्सर करिश्मे शुरू होते हैं। शहडोल जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने अपनी काबिलियत और जुनून से एक ऐसा ही असंभव चमत्कार कर दिखाया है। महज 6 महीने में जन्मे और केवल 800 ग्राम वजन वाले एक नवजात को मौत के मुंह से सुरक्षित बाहर निकालकर चिकित्सा टीम ने इतिहास रच दिया है। 2 महीने तक चली जिंदगी और मौत की इस रोंगटे खड़े कर देने वाली जंग में आखिर जीत उम्मीद की हुई।

अमलाई क्षेत्र की एक गर्भवती महिला जब जिला अस्पताल पहुंची, तो हालात भयावह थे। वह प्री-एक्लेम्पसिया (अत्यधिक रक्तचाप) जैसी जानलेवा स्थिति में थी। डॉक्टरों के पास विकल्प कम थे और जोखिम पहाड़ जैसा। परिजनों को भी अंदेशा था कि शायद कोख सूनी रह जाएगी, लेकिन अस्पताल की टीम ने हार मानने के बजाय आपातकालीन प्रसव का मोर्चा संभाला।

जब बच्चा पैदा हुआ, तो उसका वजन मात्र 800 ग्राम था—यानी सामान्य नवजात से आधा भी नहीं। इतने कम वजन और अधकचरे अंगों के साथ जीवित रहना किसी कल्पना से कम नहीं था। 60 दिनों तक एसएनसीयू (विशेष नवजात इकाई) के शीशे के बक्से में उस मासूम ने पाइपों और मशीनों के बीच संघर्ष किया। डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने पल-पल की निगरानी रखी, संक्रमण से बचाया और हारते हुए फेफड़ों को सांसें दीं।

अक्सर सरकारी अस्पतालों को कोसने वाले सिस्टम के लिए यह खबर एक तमाचा है। 1000 ग्राम से कम वजन वाले बच्चों को बचाना बड़े-बड़े निजी अस्पतालों के लिए चुनौती होता है, लेकिन जिला अस्पताल की टीम ने इसे मुमकिन कर दिखाया। आज वह बच्चा 1.5 किलो से अधिक वजन का होकर अपनी मां की गोद में खिलखिला रहा है। यह सफलता साबित करती है कि यदि सरकारी डॉक्टर अपनी जिद और समर्पण पर उतर आएं, तो संसाधनों की कमी कभी भी जान बचाने के आड़े नहीं आ सकती।

कमिश्नर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

शहडोल। कमिश्नर सुरभि गुप्ता ने दूर-दराज से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और उनके निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में शहडोल जिले के ग्राम कोटमा निवासी दीपक तिवारी ने निजी भूमि से शेड हटवाने, बुढ़वा निवासी संजय सोनी ने शासकीय माध्यमिक विद्यालय बुढ़वा में अतिथि शिक्षक रूप में पदस्थ करने, शहडोल निवासी सुमन विश्वकर्मा ने राशन काडर् में नाम जुड़वाने, ग्राम मैकी निवासी रामबिहारी बैगा ने विद्युतीकरण कार्य करवाने, ग्राम बिजहा निवासी बीरन कोल ने भूमि का आवासीय पट्टा दिलवाने, शहडोल के कृष्णा कालोनी निवासी शंखी बाई वर्मा ने वृद्धा पेंशन योजना का लाभ दिलाने, अनूपपुर जिले के ग्राम पटनाकला निवासी राजकुमारी विश्वकर्मा ने स्वत्वों का भुगतान कराने हेतु आवेदन जनसुनवाई में दिए। कमिश्नर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अन्य अवेदकों ने भी अपनी शिकायतें एवं समस्याओं संबंधी आवेदन कमिश्नर को दिए। जनसुनवाई में संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश, उपायुक्त राजस्व मिनिषा पाण्डेय सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अब नलों में शुद्ध जल देगी नगर पालिका

शहडोल। शहरवासियों के नलों से आने वाला पानी अब सिर्फ सप्लाई का हिस्सा नहीं होगा, बल्कि उसकी शुद्धता की हर बूंद का हिसाब होगा। शासन के सख्त रुख के बाद नगर पालिका परिषद शहडोल के सभागार में जल परीक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका सीधा संदेश है कि नगर निकायों के इंजीनियर अब दफ्तर में बैठकर फाइलें नहीं चमकाएंगे, बल्कि उन्हें जमीन पर उतरकर पानी की कुंडली जांचनी होगी। अक्सर मटमैले और बदबूदार पानी की शिकायतों को अनसुना करने वाले सिस्टम को अब तकनीक से लैस किया गया है। पीएचई विभाग की केमिस्ट प्रतिमा शुक्ला और उनकी टीम ने उपयंत्रियों को वह ब्रह्मास्त्र (टेस्ट किट) चलाना सिखाया है, जो पानी में टर्बिडिटी, क्लोरीन, हार्डनेस और टीडीएस जैसे जहर का कच्चा चि_ा खोल देगी। कार्यशाला में व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर यह साफ कर दिया गया कि जलजनित बीमारियों के लिए अब सीधे तौर पर निकाय जिम्मेदार होंगे। प्रशिक्षण के बाद सभी नगरीय निकायों के उपयंत्रियों को मौके पर ही वाटर टेस्ट किट सौंप दी गई। अब इन अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे अपने-अपने वार्डों में नियमित जांच करें। नगर पालिका का यह कड़ा तेवर बता रहा है कि नागरिकों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना अब केवल कागजी वादा नहीं, बल्कि अनिवार्य कर्तव्य है। अगर अब भी शहर में पानी से बीमारियां फैलती हैं, तो बहानेबाजी नहीं चलेगी, क्योंकि टूल भी पास है और ट्रेनिंग भी पूरी है।

हेलमेट बोझ नहीं, जिंदगी की गारंटीः यातायात प्रभारी

शहडोल। सडक़ों पर रफ्तार का शौक पालने वाले युवाओं को पुलिस ने कड़ा आईना दिखाया है। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव के निर्देशन में जारी राष्ट्रीय सडक़ सुरक्षा माह के तहत नेहरू डिग्री कॉलेज में जागरूकता का डंडा चला। यातायात प्रभारी संजय जायसवाल ने छात्रों को दो टूक लहजे में समझाया कि बिना हेलमेट और बिना लाइसेंस के सडक़ पर उतरना खुद की जान को जोखिम में डालने जैसा है।

रफ्तार पर लगाम, नियमों का सम्मान

यातायात प्रभारी ने आक्रामक लहजे में कहा कि यातायात नियमों का पालन करना कोई उपकार नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक की पहचान है। उन्होंने चेतावनी दी कि दोपहिया वाहन पर बैठने वाले दोनों व्यक्तियों के लिए हेलमेट अनिवार्य है। वाहन निर्धारित गति में चलाएं, स्टंटबाजी और लापरवाही का अंजाम केवल अस्पताल या श्मशान होता है। उन्होंने संकेतकों के पालन और ड्राइविंग लाइसेंस की महत्ता पर विशेष जोर दिया।

क्विज में जीते छात्र, ईनाम में मिली सुरक्षा

सिर्फ भाषण नहीं, बल्कि जागरूकता को परखने के लिए कॉलेज में क्विज प्रतियोगिता भी हुई। सही जवाब देने वाले और नियमों के प्रति सजग छात्रों को मौके पर ही हेलमेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुलिस का संदेश साफ है, यातायात नियमों को बोझ समझने वालों के खिलाफ अब सख्ती और समझाइश, दोनों मोर्चों पर कार्रवाई होगी।

बुजुर्गों एवं नवजात शिशुओं का रखें विशेष ध्यानःसीएमएचओ

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने शीत लहर से बचने जिलेवासियो से अपील करते हुए बताया कि शीत ऋतु में फ्लू, खांसी, सर्दी, जुकाम जैसी बीमारियों के संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि शीत ऋतु मे पर्याप्त गर्म कपड़े (टोपी, दस्ताने, मफलर, मोजे और जूते) जरूर पहनें। अंदर सूती और बाहर ऊनी कपड़े पहनें ताकि शरीर का तापमान बना रहे, बहुत चुस्त कपड़े न पहनें इससे रक्त संचार बाधित हो सकता है, अत्यधिक आवश्यकता न हो तो घर से बाहर निकलने से बचें,पौष्टिक भोजन और विटामिन सी से भरपूर फल व सब्जियां नियमित रूप से खाएं, शरीर को गर्म रखने के लिए गर्म पेय पदार्थ जरूर पिएं, बुजुर्गों, नवजात शिशुओं और बच्चों पर विशेष ध्यान रखें,रूम हीटर का उपयोग करते समय कमरे में हवा निकासी (वेंटिलेशन) का उचित प्रबंध रखें।

उन्होंने कहा कि शीतऋतु में स्वास्थ्य खराब होने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर चिकित्सकीय सलाह अवश्य लें, झाड़ फूंक या अनावश्यक बहकावे में न आए।

उन्होंने कहा कि विशेषकर 65 वर्ष से अधिक उम्र के वृद्धजन, 5 वर्ष से कम आयु के बच्चे, दीर्घकालिक ह्नदय अथवा श्वसन रोग से पीड़ित व्यक्ति, बेघर व्यक्ति, निर्माण स्थल व खुली जगहों पर कार्य करने वाले श्रमिक, सडक़ पर रहने वाले लोग, खुले क्षेत्र में व्यवसाय करने वाले छोटे व्यवसायियों द्वारा शीतलहर के दौरान विशेष सतर्कता की आवश्यक है।

खबर संक्षेप

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईव्हीएम गोदाम का किया निरीक्षण

उमरिया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन ने संयुक्त कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईव्हीएम गोदाम का औचक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी रीता डेहरिया, निर्वाचन सुपरवाईजर हरिशंकर झारिया सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

सामूहिक सूर्य नमस्कार के संबंध में बैठक आज

उमरिया। स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस युवा दिवस के उपलक्ष्य में 12 जनवरी को सामूहिक सूर्य नमस्कार का जिला स्तरीय आयोजन के संबंध में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में बैठक 7 जनवरी को दोपहर 2 बजे से आहूत की गई है । बैठक मे सर्व संबंधितो से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

पात्र युवाओं को मतदाता सूची मे सम्मिलित करने के लिए जिला स्तर पर विशेष कैंप होंगे

उमरिया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र भोपाल के निर्देशानुसार 1 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि पर पात्र युवाओ को मतदाता सूची में सम्मिलित करने के लिए जिला स्तर पर 9 एवं 10 जनवरी को हायर सेकेण्डरी स्कूलो, महाविद्यालयो एवं उच्च शिक्षा के शैक्षणिक संस्थाओ आदि में विशेष कैंप आयोजित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन ने आयोग के निर्देशानुसार 9 एवं 10 जनवरी को जिले के समस्त हायर सेकेण्डरी स्कूलों, महाविद्यालयो एवं उच्च शिक्षा के शैक्षणिक संस्थाओ आदि में विशेष कैंप आयोजित किए जाने हेतु प्राचार्यो को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है ।

खेलो एमपी यूथ गेम्स के संबंध में बैठक आज

उमरिया। शासन खेल एवं युवा कल्याण मप्र व्दारा प्रदेश मे खेलो एम पी यूथ गेम्स का आयोजन 10 जनवरी से 31 जनवरी के मध्य किया जाना है । इसके पूर्व प्रदेश के समस्त विकासखंडो, जिला, संभाग मे प्रतियोगिता आयोजित कर नियमानुसार राज्य स्तर पर खिलाडियो को शामिल कराया जाना है। ब्लाक एवं जिला स्तर पर प्रतियोगिताओ के आयोजन व अन्य व्यवस्थाओ व दायित्वो विषयो को लेकर कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में 7 जनवरी को दोपहर 1 बजे से बैठक आहूत की गई है।

कोल इंडिया अधिकारियों के एचआरए व लीज रेंट सीलिंग में बढ़ोतरी'

राजनगर। कोल इंडिया ने अपने कार्यपालक अधिकारियों और सहायक अधिकारियों कंपनियों को बड़ी राहत दी है। कंपनी ने उसके हाउस रेंट अलाउंस एचआरए) और लीज रेंट सीलिंग की दरों में बढ़ोतरी की है।यह फैसला औद्योगिक महंगाई भत्ता (आइडीएके 50 प्रतिशत से अधिक यानी 51.8 प्रतिशत पहुंचने के बाद लिया गया है। सोमवार को कोल इंडिया की पॉलिसी सेल द्वारा जारी आदेश के अनुसार नयी दरें एक अक्तूबर 2025 से लागू मानी जायेंगी। इससे कोयला अधिकारियों की लंबित मांग पूरी हुई है। शहरों को विभिन्न श्रेणियों में बांटकर तय किया गया एचआरए कोल इंडिया ने शहरों को एक्स, वाई व जेड श्रेणी में बांटते हुए एचआरए तय किया है। एक्स श्रेणी के शहरों में अब बेसिक वेतन का 30 प्रतिशत एचआरए व 37.5 प्रतिशत तक लीज रेंट मिलेगा। वहीं वाई श्रेणी में 20 प्रतिशत एचआरए व 25 प्रतिशत लीज रेंट मिलेगा। जबकि जेड श्रेणी में 10 प्रतिशत एचआरए व 12.5 प्रतिशत लीज रेंट तय किया गया है।

बेरोजगार युवाओं हेतु सुरक्षा जवान एवं ड्रोन पायलट भर्ती शिविर का आयोजन सम्पन्न

अनूपपुर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अनूपपुर एवं जिला रोजगार कार्यालय के सहयोग से जीडीएक्स ग्रुप, ग्रेटर नोएडा द्वारा भारत सरकार के पसारा अधिनियम 2005 के अंतर्गत सुरक्षा जवान, ड्रोन पायलट एवं सुरक्षा सुपरवाइजर पदों पर भर्ती हेतु जिले में पांच विभिन्न स्थानों पर भर्ती शिविरों का आयोजन किया गया। भर्ती प्रक्रिया की शुरुआत 24 दिसंबर 2025 को शासकीय आईटीआई बेनीबारी से की गई, जबकि अंतिम भर्ती शिविर 02 जनवरी 2026 को शासकीय आईटीआई अनूपपुर में प्रातः 10 बजे से सायं 3 बजे तक आयोजित किया गया। इन शिविरों में कुल 120 युवाओं ने सहभागिता की, जिसमें से 70 युवाओं का चयन किया गया।

खदान के काले पानी से निकला 85 दिन पुराना कंकाल

एसईसीएल के माथे पर बदरंग दाग या सिस्टम की बेशर्मी

शहडोल।

कोयले की कालिख से सने सोहागपुर एरिया के दामन पर एक ऐसा दाग लगा है, जिसे करोड़ों गैलन पानी से धोने की कोशिश तो की गई, लेकिन वह लहू बनकर सतह पर तैर आया। 11 अक्टूबर 2025 की उस काली शाम, जब अमलाई खुली खदान की गहराई ने अनिल कुशवाहा को निगला था, तब शायद प्रबंधन को लगा था कि फाइलें लाश को दबा देंगी, लेकिन ठीक 85 दिनों बाद, जब मंगलवार को सड़े-गले मांस के लोथड़ों में तब्दील हो चुका अनिल का शव बाहर निकला, तो उसने एसईसीएल और ठेका कंपनी के रसूखदार तंत्र की मानवीय संवेदनहीनता की कलई खोलकर रख दी।

मौत की गवाही देता मांस का ढेर

करीब तीन महीने तक खदान के पानी में डूबे रहने के कारण शव की हालत ऐसी थी कि पत्थर दिल इंसान की भी रूह कांप जाए। शरीर का मांस गलकर हड्डियों से अलग हो चुका था। यह महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस लापरवाही का जीता-जागता प्रमाण है, जिसे दबाने के लिए महीनों तक टालमटोल का खेल खेला गया। शव को पंचनामा के बाद मेडिकल कॉलेज भेजा गया है, लेकिन सवाल यह है कि क्या पोस्टमार्टम उस सिस्टम की सडन को भी पकड़ पाएगा जिसने एक परिवार को 100 दिनों तक तिल-तिल मरने पर मजबूर किया?

संवेदनहीनता की पराकाष्ठा

इस पूरे मामले की सबसे घिनौनी और रोंगटे खड़े कर देने वाली विडंबना देखिए प्रशासन और प्रबंधन ने मिलकर अनिल कुशवाहा का मृत्यु प्रमाण पत्र दो महीने पहले ही जारी कर दिया था। यानी जिस वक्त परिवार अपनी आंखों में उम्मीद लिए खदान की गहराई को ताक रहा था, उस वक्त सरकारी फाइलों में अनिल को दफन किया जा चुका था। जब लाश मिली ही नहीं थी, तो मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने की इतनी हड़बड़ी क्यों, क्या यह किसी बड़ी कानूनी साजिश को छुपाने का हिस्सा था।

जांबाजों ने पानी चीरा, अफसरों ने आखें मूंदी

जहां एक ओर प्रबंधन अपनी खाल बचाने में लगा था, वहीं सोहागपुर एरिया की रेस्क्यू टीम और एसडीआरएफ के जवानों ने अदम्य साहस का परिचय दिया। रेस्क्यू इंचार्ज आर.डी. पटेल और कप्तान अमरजीत सिंह की अगुवाई में श्रेयस राव, अमित वाईकर, अनिल चौधरी, आदित्य प्रकाश, अशोक रजक और विनय तिवारी ने मौत के कुएं में उतरकर अपना फर्ज निभाया। अनूपपुर के प्लाटून कमांडर राम नरेश भवेदी और शहडोल के कोमल सिंह पोट्टाम की टीमों ने यह साबित किया कि अगर इरादे नेक हों, तो काले पानी की गहराई भी रास्ता दे देती है। इन जवानों ने तब मोर्चा संभाला जब ऊंचे पदों पर बैठे हुक्मरान केवल निर्देश देने की औपचारिकता निभा रहे थे।

ठेका कंपनी आरकेटीसी और प्रबंधन का गठजोड़

परिजनों ने रायपुर से संचालित होने वाली ठेका कंपनी आरकेटीसी और कोयला प्रबंधन पर सुरक्षा मानकों की धज्जियां उड़ाने का आरोप लगाया हैं। आरोप है कि भारी जलभराव और असुरक्षित स्थितियों के बावजूद नियमों के विरुद्ध ओवरबर्डन हटाने का काम कराया गया। इतना ही नहीं, हादसे के बाद जिन पर गाज गिरनी चाहिए थी, उन्हें कथित तौर पर क्लीन चिट देकर मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की गई। आखिर किसके दबाव में दोषियों को अभयदान दिया गया?

हाईकोर्ट की दहलीज पर इंसाफ की पुकार

मऊगंज निवासी मृतक के पिता शिवदत्त प्रसाद और उनका परिवार अब इंसाफ की आस में हाईकोर्ट की शरण में है। उनका आरोप है कि कोल इंडिया के स्थानीय अधिकारी पूरी तरह से सुरक्षा में चूक के जिम्मेदार हैं। डंपर चालक की मौत ने उन दावों की पोल खोल दी है जो एसईसीएल सुरक्षा ऑडिट के नाम पर हर साल करोड़ों खर्च करता है। जब खदान में जलभराव था, तो वहां डंपर और मजदूर को मौत के मुंह में क्यों झोंका गया, जिन अधिकारियों और कर्मचारियों पर शुरुआती जांच में उंगलियां उठीं, वे अचानक दूध के धुले कैसे हो गए, क्या कोयला उत्पादन के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक मजदूर की जान की बलि चढ़ाना एसईसीएल की नई नीति है। करीब 100 दिनों के लंबे और दर्दनाक इंतजार के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन औपचारिक रूप से समाप्त हो गया है, लेकिन हवाओं में अभी भी कई सवाल तैर रहे हैं। अनिल कुशवाहा का क्षत-विक्षत शव आज यह संदेश दे गया कि खदानों से सिर्फ कोयला नहीं निकलता, कभी-कभी व्यवस्था की बदबूदार हकीकत भी बाहर आती है। **विस्तृत समाचार पेज 13 पर भी....**

थाना कोतमा द्वारा गुम हुए 11 मोबाइल फोन दस्तयाब कर मालिकों को किया सुपुर्द

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान द्वारा पूरे जिले में गुम हुए मोबाइलों को दस्तयाब कर उनके मालिकों को सुपुर्द करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर व एसडीओपी कोतमा के निर्देशन में थाना प्रभारी कोतमा रत्नाम्बर शुक्ल द्वारा गुम हुए मोबाइल फोनो को दस्तयाब करने हेतु टीम बनाई गई। पुलिस टीम द्वारा साइबर सेल अनूपपुर की मदद से 11 मोबाइलों को दस्तयाब कर 06 जनवरी को संबंधित मोबाइल फोन के मालिकों को सुपर्द किया गया। नये वर्ष में खोये मोबाइल वापस मिलने पर संबंधित आवेदकों ने पुलिस की प्रशंसा करते हुए खुशी जाहिर की है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतमा रत्नाम्बर शुक्ल के साथ प्रधान आरक्षक 173 अरविंद प्रताप सिंह, आरक्षक 556 राकेश सिंह, आरक्षक 370 जितेंद्र मंडलोई, आरक्षक 301 महेश साहू, साइबर सेल से आरक्षक पंकज मिश्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी 45 आवेदकों की समस्याएं

उमरिया।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जनसुनवाई में 45 आवेदको की समस्याओ को सुना तथा आवेदन संबंधित विभाग की ओर निराकरण के लिए प्रेषित किया। जनसुनवाई में अनारकली, अन्नू, पार्वती, अर्चना , मीरा ग्राम लालपुर ने निस्तार के पान, बरसात के पानी निकालने हेतु ढोल पाइप निकालने, बहोरी चौधरी ग्राम पडवार ने पीएम आवास की दूसरी किश्त दिलाने, राम प्रसाद काछी ग्राम जमुनिहा ने पुस्तैनी भूमि का पटटा दिलाने, अशोक यादव ग्राम कोडार ने पत्नी की मृत्यु पश्चात राष्ट्रीय परिवार सहायता दिलाने, लक्ष्मीकांत व्दिवेदी ग्राम झाल ने सीमांकन कराने, राज कुमारी महरा ग्राम बुढिया ने लाडली बहना योजना का लाभ दिलाने, माया बाई ग्राम देवरा ने पति की मौत के बाद अनुग्रह सहायता दिलाने, अनुराग रजक ग्राम टिकुरी ने आधार कार्ड सुधरवाने, राजेंद्र बर्मन ग्राम कछरवार ने आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने, दीपचंद नामदेव ग्राम महरोई ने पीएम आवास दिलाने संबंधी आवेदन दिया । जनसुनवाई में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, प्रभारी एसडीएम बांधवगढ कमलेश नीरज सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

कलेक्टर की अध्यक्षता में विशेष जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक संपन्न

उमरिया।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन कि अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में विशेष जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी हितग्राही मूलक योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गयी जिसमे सम्बंधित विभागों के द्वारा बैंको में प्रकरण लक्ष्य के विरुद्ध पर्याप्त आवेदन प्रेषित नहीं की गयी है, तथा प्रेषित प्रकरणों में पाया गया कि जो लेने के इच्छुक नहीं है या जिसका क्रेडिट हिस्ट्री अच्छी नहीं है ऐसे लोगो का प्रकरण प्रेषित की गयी है व्दविभागों द्वारा हितग्राहियों को बैंको तक लाने में रूचि नहीं ली जा रही है व्दसाथ ही बैंकर्स भारी मात्रा में प्रकरण निरस्त किये है जिसका स्पष्ट कारण नहीं पायी गयी ।

बैंकर्स प्रकरणों को स्वीकृत किये है परन्तु वितरण में विलंब कर रहे है या स्वीकृत एवं वितरित प्रकरणों को सरकार के द्वारा बनाई गयी पोर्टल में बैंकर्स अपडेट नहीं कर रहे है जिसके कारण जिले की प्रगति बहुत ही निचले पायदान की श्रेणी में है व्दइन सभी कमियों को दूर करने हेतु कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत उमरिया द्वारा सभी बैंकर्स एवं विभाग प्रमुखों को एक सप्ताह के अन्दर स्वीकृति एवं वितरण में प्रगति लाने हेतु निर्देशित किया गया। भारतीय स्टेट बैंक के जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक द्वारा अच्छे प्रगति हेतु आश्वासन देते हुए सभी अधिकारियों का आभार प्रकट किया गया व्द

कलेक्टर ने कहा कि विभागाध्यक्ष दो दिवस में संबंधित हितग्राहियो से संपर्क कर वस्तु स्थिति का प्रतिवेदन उपलब्ध कराए । बैंकर्स सीधे हितग्राही से बात करने की बजाय विभाग को अपनी आपत्ति भेजे।अस्वीकृत प्रकरणों को दो दिवस में पुर्नविचार कर निराकरण करें।

नवांकुर समिति ग्राम विकास समिति भगता के तत्वाधान में कराया गया बोरी बंधान

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में जन अभियान परिषद कोतमा नवांकुर समिति ग्राम विकास समिति भगता के तत्वाधान में जल संचय अभियान के अंतर्गत जन अभियान परिषद के विकास खंड समन्वयक सरीमन साकेत के मार्गदर्शन में सेक्टर क्रमांक 01 निगवानी के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में दिनांक 01-12-2025 से 31-12-2025 तक बोरी बंधान एवं जल जागरूकता रैली का कार्यक्रम कराया गया जिसमें मुख्य रूप से ग्राम विकास समिति भगता नवांकुर समिति के अध्यक्ष हिरेंद्र तिवारी, परामर्श दाता अजय शर्मा, नगर विकास प्रस्फुटन समिति कोतमा के अध्यक्ष आनंद शर्मा, रेउसा के प्राचार्य तिर्की जी एवं शिक्षक विनीत मिश्रा एवं अन्य ग्रामीण जन एवं छात्रों का सहयोग प्राप्त हुआ।

ठाकुर बाबा धाम मैदान में श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन किया शिव विवाह का वर्णन

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

नगर के ठाकुर बाबा धाम मैदान में श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन शिव विवाह का वर्णन किया गया। कथावाचक आचार्य जी के द्वारा कथा को श्रद्धालुओं ने बड़े भक्ति भाव से आनंद लिया और अंत में प्रसाद भी ग्रहण किया गया। तीसरे दिन कथा में वृंदावन धाम से पधारे अनुराधाचार्य जी महाराज ने भगवान शिव एवं माता पार्वती के विवाह प्रसंग का अलौकिक वर्णन किया। बड़ी संख्या में पधारे श्रद्धालुओं ने श्रीमद भागवत कथा का रसपान किया। कथा के दौरान शिव विवाह का समय आया तो पूरा पंडाल भक्ति भाव से झूम उठा। भजनों की मधुर धुन पर श्रद्धालु झूमते नाचते रहे। पूरा परिसर हर हर महादेव के जयकारे से गूंज उठा। कथावाचक जी के द्वारा पारिवारिक जीवन कैसे सुखमय हो उसपर भी अपने विचार रखे। कथा को सुनने प्रतिदिन भीड़ उमड़ रही है। आयोजन समिति ने समस्त धार्मिकजन से भागवत कथा में पहुंच कथा रसपान की अपील की गई है।

अमरकंटक पहुंचे सांसद गजेंद्र सिंह पटेल, परिवार संग किया मां नर्मदा का विधिवत पूजन-अर्चन

नर्मदा परिक्रमा के दौरान तीर्थराज अमरकंटक में किए दर्शन, स्वच्छता व संरक्षण का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

खरगोन-बड़वानी संसदीय क्षेत्र के सांसद गजेंद्र सिंह पटेल अपनी धर्मपत्नी एवं परिवारजनों के साथ पावन मां नर्मदा की परिक्रमा करते हुए तीर्थराज अमरकंटक पहुंचे। मां नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक की पुण्यभूमि पर कदम रखते ही उन्होंने रामघाट में विधि-विधान से मां नर्मदा के दर्शन कर पूजन-पाठ एवं अर्चन किया तथा परिवार सहित नर्मदा मैया के चरणों में शीश नवाया। इस अवसर पर सांसद पटेल ने बताया कि उन्होंने 26 दिसंबर को ओंकारेश्वर से मां नर्मदा की पावन परिक्रमा यात्रा का शुभारंभ किया था। परिक्रमा के दौरान नर्मदा तट के प्रत्येक क्षेत्र, घाट एवं संगम स्थल पर उन्हें मां नर्मदा का अद्भुत, दिव्य और अलौकिक स्वरूप देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि यह मां नर्मदा की असीम कृपा और चमत्कार ही है कि उन्हें परिवार सहित यह पुण्य परिक्रमा पूर्ण करने का अवसर मिला। सांसद पटेल ने मां नर्मदा की महिमा का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि नर्मदा जल कंचन-सा निर्मल, स्वच्छ एवं अमृततुल्य है। यह केवल जीवनदायिनी नदी ही नहीं, बल्कि भारत की सनातन संस्कृति, आस्था और आध्यात्मिक चेतना की जीवंत धारा है। नर्मदा मैया का प्रत्येक कण भक्तों को शांति, शक्ति और सद्भाव का संदेश देता है। पूजन-अर्चन के उपरांत सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने जनमानस से मां नर्मदा की स्वच्छता और संरक्षण के लिए भावनात्मक अपील की। उन्होंने कहा कि मां नर्मदा को स्वच्छ, निर्मल और अविरल बनाए रखना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। घाटों, तटों और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई बनाए रखकर ही हम मां नर्मदा की सच्ची सेवा कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब मां नर्मदा अपनी कल-कल ध्वनि के साथ निरंतर प्रवाहित होती हैं, तो वह न केवल प्रकृति को जीवन देती हैं, बल्कि मानव जीवन को भी आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देती हैं। ऐसे में प्रत्येक नागरिक को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह मां नर्मदा की पवित्रता और गरिमा को अक्षुण्ण बनाए रखने में अपना योगदान अवश्य देगा।

खबर संक्षेप

सूने घर से ताला तोड़ 80 हजार के जेवरात किये पार

कटनी। कुठला थाना क्षेत्र अंतर्गत के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित सूने मकान में चोरो ने हाथ साफ किया। बदमाशों ने घर का ताला तोड़कर आलमारी में रखे करीब 80 हजार रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुरेन्द्र कुमार मोगेरिया निवासी ट्रांसपोर्ट नगर ने 4 जनवरी को दोपहर ढाई बजे थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि वह 25 दिसंबर 2025 से 30 दिसंबर 2025 के बीच अपने घर पर मौजूद नहीं थे। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने उनके मकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 331(4), 305(ए) में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है और संदिग्धों से पूछताछ भी शुरू कर दी गई है। आये दिन हो रही चोरी की घटनाओं से ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र के रहवासी दहशत में हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने और जल्द आरोपियों को पकड़ने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरी का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

गंदगी फैलाने एवं अमानक पॉलीथिन का उपयोग करने पर 2200 रूपए का जुर्माना

कटनी। सोमवार को नगर निगम की स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा नेहरू वार्ड के विभिन्न क्षेत्रों के सार्वजनिक स्थलों पर 3 प्रतिष्ठान संचालकों द्वारा गंदगी फैलाने, स्वच्छता नियमों की अवहेलना करने पर 1600 रुपये का स्पॉट फाइन लगाया गया। वहीं अमानक पॉलीथिन का उपयोग करने वाले 2 प्रतिष्ठान संचालकों के विरुद्ध 600 रुपये के जुर्माने की कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि कुछ स्थानों पर खुले में कचरा फेंकने, दुकानों के सामने गंदगी फैलाने तथा निर्धारित कचरा संग्रहण व्यवस्था का पालन नहीं किया जा रहा था। ऐसे मामलों में संबंधितों पर नगर निगम अधिनियम एवं स्वच्छता उप विधियों के अंतर्गत तत्काल स्पॉट फाइन आरोपित किया गया। नियमों का उल्लंघन न केवल शहर की सुंदरता को प्रभावित करता है, बल्कि जनस्वास्थ्य के लिए भी जोखिम उत्पन्न करता है। इसी कारण भविष्य में भी निरीक्षण अभियान जारी रखते हुए नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व कैबिनेट मंत्री का हुआ किया स्वागत

स्लीमनाबाद। उत्तरप्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री व पूर्व सांसद डीपी यादव का देवगांव पहुंचने पर मुकेश यादव के नेतृव्य में यादव समाज के लोगों ने बैंड बाजो व आतिशबाजी के बीच गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया। डीपी यादव एक समय उत्तरप्रदेश के कददावार नेता माने जाते थे। डी पी यादव दमोह मै आयोजित न्याय रैली मै शामिल होने जा रहे थे जहाँ देवगांव में उनका भव्य स्वागत यादव समाज के द्वारा किया गया। डीपी यादव ने मुकेश यादव सहित समाज जनों को बधाई दी ओर कहा कि समाज की एकजुटता बहुत जरूरी है। यादव समाज से भी लोग आगे आकर राजनीति में सक्रिय हो। समाज के उत्थान व विकास के लिए सदैव सहयोग किया जायेगा। इस दौरान संतोष यादव, रामसुजान यादव, शैलेंद्र पटेल, शिवकुमार यादव, सुनील कुशवाहा, कपिल विश्वकर्मा, गुलजारी यादव सहित अन्य जन मौजूद रहे।

अमलाई ओसीएम में मौत का सन्नाटा:

3 महीने बाद डोजर के भीतर से मिला ऑपरेटर का शव लापरवाही ने छीनी जान

एसईसीएल सोहागपुर एरिया की अमलाई ओपन कास्ट खदान एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में है। 11 अक्टूबर 2025 की शाम 5:30 बजे ओवर बर्डन (ओवी) स्लाइड होने से आरके ट्रांसपोर्ट कंपनी का डंपर और डोजर खदान में भरे करोड़ों लीटर गहरे पानी में समा गए थे।

धनपुरी।

इस हादसे में डोजर ऑपरेटर अनिल कुशवाहा (निवासी सीधी-रीवा) की मौके पर ही डूबने से मौत हो गई थी, लेकिन उनका शव तीन महीने तक पानी में फंसा रहा।हरा पानी बना कब्र, मशीनों समेत समाया मजदूरहादसे के समय खदान के भीतर वर्षों पुराना 20 से 30 फीट गहरा हरा पानी जमा था। ओवी स्लाइड होते ही दोनों भारी मशीनें उसी पानी में जा गिरीं। तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ, दूर-दराज से गोताखोर बुलाए गए, लेकिन अथाह पानी और गहराई के आगे सभी प्रयास बेकार साबित हुए। अंततः रेस्क्यू टीमों को पीछे हटना पड़ा।तीन महीने बाद SDERF को मिली सफलता6 जनवरी 2026 को अनूपपुर से आई एसडीईआरएफ रेस्क्यू टीम ने डोजर के भीतर फंसे शव को बाहर निकालने में सफलता पाई। शव को कालरी की एंबुलेंस से शहडोल मेडिकल कॉलेज पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। रेक्स रेस्क्यू टीम के अमरजीत सिंह का अभियान में महत्वपूर्ण योगदान रहा। हैरानी की बात यह रही कि शव मिलने के बाद भी मृतक के परिजन दोपहर 2:30 बजे तक घटनास्थल पर नहीं पहुंच सके।

खदान बनी पुलिस छावनी: मंगलवार सुबह से ही अमलाई ओसीएम घटनास्थल पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। मौके पर जीएम ऑपरेशन मनीष श्रीवास्तव, उपक्षेत्र प्रबंधक भीम रवन्ना, खान प्रबंधक अल्बर्ट, सहित एसईसीएल के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। पूरे क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना रहा।ठेकेदार की लापरवाही, कोयला लक्ष्य पर चोटओवी हटाने का ठेका आरकेटीसी प्राइवेट कंपनी को दिया गया था। आरोप है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी और काम में लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ। घटना के बाद लगभग एक माह तक ओवी निकालने का काम प्रभावित रहा, जिसका असर सोहागपुर एरिया के वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य पर साफ दिख रहा है। अगर समय रहते ओवी का काम पूरा कर लिया गया होता, तो आज अमलाई ओसीएम कोयला संकट से नहीं जूझ रही होती।

सवाल वही—जिम्मेदार कौन? तीन महीने बाद शव मिलने से जहां परिजनों का इंतजार खत्म हुआ, वहीं यह हादसा खदान सुरक्षा, ठेका प्रबंधन और जवाबदेही पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। अब देखने वाली बात यह होगी कि इस मौत के बाद जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई होती है या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा।

ग्राम पंचायत कुम्हिया में आयोजित हुई सामान्य ज्ञान परिछा

17 स्कूलों के 350 विद्यार्थी हुए सम्मिलित

यौहारी

विकासखंड ब्यौहारी- के अंतर्गत ग्राम पंचायत कुम्हिया में ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन दिनांक 4 जनवरी को पंचायत भवन के प्रांगण में किया गया परीक्षा में सरकारी एवं निजी स्कूलों के साढे 350 विद्यार्थी सम्मिलित हुए शिक्षा का परिणाम 11 जनवरी को आएगा इसमें प्रथम पुरस्कार विजेता को 5100 एवं द्वितीय पुरस्कार विजेता को2100 दिए जाएंगे परीक्षा का आयोजन ग्राम पंचायत कुम्हिया द्वारा किया गया परीक्षा के बारे में जानकारी देते हुए ग्राम पंचायत के सरपंच शैलेंद्र मिश्रा ने बताया कि इस परीक्षा का उद्देश्य है ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को तराशना है ऐसी प्रतिभाएं जो साधन संपन्न नहीं है आगे चलकर उनकी मदद भी की जाएगी

छात्र छात्राओं को यातायात नियमों से अवगत कराया

प्रतियोगिता का आयोजन कर छात्रों को हेलमेट भेंट किया

बुढार।

शासकीय नेहरू महाविद्यालय में राष्ट्रीय सुरक्षा मास के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में जिले में सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा थीम पर राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का उद्देश्य से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत यातायात प्रभारी संजय कुमार जायसवाल के नेतृत्व में नेहरू महाविद्यालय कॉलेज बुढ़ार में यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर छात्र छात्राओं को यातायात नियमों से अवगत कराया। जागरूकता कार्यक्रम में यातायात प्रभारी संजय जायसवाल ने कहा कि यातायात नियमो का पालन करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य एवं जिम्मेदारी है। दो पहिया वाहन में बैठने वाले व्यक्ति को हेलमेट का जरूरी उपयोग करना चाहिए। यातायात नियमों का पालन कर स्वयं एवं दूसरों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करें। वाहन निर्धारित गति मे ही चलाएं, बना ड्रायविंग लायसेंस के वाहन नहीं चलाएं। संकेतकों का पालन करें।

इस कार्यक्रम के दौरान यातायात जागरूकता संबंधी क्विज प्रतियोगिता एवं प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को हेलमेट प्रदान कर सम्मानित किया गया।इस अवसर सूबेदार प्रियंका शर्मा, प्रोफेसर राधेश्याम नापित एवं विद्यालयीन परिवार उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण कर दिया संदेश

5000 पौधारोपण लक्ष्य के अंतर्गत युवा टीम ने किया पौधारोपण

उमरिया

उमरिया जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया के द्वारा पूरे बरसात में 5000 पौधारोपण का संकल्प लिया गया है ।इसी क्रम में बिरसिंहपुर पाली के ग्राम पंचायत गौरइया सुरक्षित स्थान में आम का पौधा लगाकर पौधारोपण किया गया। पंचायत सरपंच ने युवाओं की टोली की पौधारोपण महाअभियान कार्यक्रम सराहनीय है। वृक्ष हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है और स्वच्छ पर्यावरण और पृथ्वी पर पर्यावरण संतुलन हेतु आवश्यक है। स्वैच्छिक रूप से पौधारोपण कर पौधारोपण अभियान को सफल करने का आह्वान किया और साथ ही जोर दिया की वृक्षों को लगाने के साथ-साथ उनकी रक्षा भी करनी होगी।पर्यावरण स्वच्छ रह सके और बीमारियों से बचाव हो सके। पर्यावरण मित्र हिमांशु तिवारी ने जानकारी देते हुए कहा कि पूरे बरसात के महीनों में 5000 से भी अधिक पौधारोपण करने का लक्ष्य लिया गया है। पौधारोपण शासकीय, आशासकीय, विद्यालय महाविद्यालय, आगनबाडी, चिकित्सालय, तालाबों के तट पर, नदियों के आसपास सार्वजनिक स्थल, पंचायत भवनों परिसर, मंदिरों व विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण कर सुरक्षित करने का संकल्प लिया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत गौरइया सुरक्षित स्थान पर आम का पौधा लगाकर पौधारोपण किया गया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए हर नागरिक को एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए ताकि पृथ्वी पर प्राकृतिक संतुलन बना रहे। विक्रम परमार ने कहा कि यहां की प्राकृतिक वातावरण काफी शुद्ध व स्वच्छ है।इस प्राकृतिक वातावरण को बचाए रखने के लिए वृक्षारोपण अवश्य करना चाहिए। अगर समय रहते ही प्राकृतिक को नहीं बचाया गया तो आने वाले दिनों में पृथ्वी पर निवास करने वालो को जल एवं वायु संकट से जूझना पड़ेगा अतः प्राकृतिक को बचाने के लिए आम लोगों को प्राकृतिक की रक्षा करने के लिए जागरूक किया जाना चाहिए। पर्यावरण मित्र हिमांशु तिवारी,वर्षा गुप्ता, राहुल सिंह,रुही गुप्ता,पलक गुप्ता उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को दिया गया पोषक तत्वों के वर्गीकरण

एवं उनकी आवश्यकता का तकनीकी प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय स्लीमनाबाद में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत स्नातक स्तर पर अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ आत्मनिर्भर स्वावलंबी एवं स्वरोजगार स्थापित करने के लिए व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत पोषक तत्वों की आवश्यकता एवं उनके वर्गीकरण का तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण प्राचार्या डॉ सरिता पांडे के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. प्रीति नेगी के सहयोग से जैविक कृषि विशेषज्ञ रामसुख दुबे द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण में बताया गया कि पौधों को भोज्य पदार्थ के रूप में 17 आवश्यक पोषक तत्वों की जरूरत पड़ती है। इन आवश्यक पोषक तत्वों को पौधे की आवश्यकता के आधार पर तीन भागों में बांटा गया है। हवा एवं पानी से प्राप्त होने वाले पोषक तत्व कार्बन, हाइड्रोजन, ऑक्सीजन है। पोषक तत्व नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश इन पोषक तत्वों की पौधों को अधिक मात्रा में आवश्यकता पड़ती है। द्वितीय पोषक तत्व के अंतर्गत कैल्शियम, मैग्नीशियम, सल्फर तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों के अंतर्गत लोहा, मैंगनीज, कॉपर, जिंक, बोरान, मॉलीबेडी, नमक्लोरीन तथा निकिल की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को एकीकृत कृषि प्रणाली, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, एकीकृत कीट एवं रोग प्रबंधन, एकीकृत नाशी जीव प्रबंधन एवं एकीकृत खरपतवार नींदा प्रबंधन की जानकारी, कम लागत तकनीकी जीरो बजट फार्मिंग के अंतर्गत जानकारियां दी गई। जिससे बाजार पर निर्भरता कम एवं उत्पादन अधिक मिल सके।

नगर निगम के विभिन्न क्षेत्रों में जल गुणवत्ता के लिये जा रहे सेम्पल

इंदौर जैसे न बने जिले में हालात, जांच के लिए 17 पानी के सैंपल भेजे लैब

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर निगम कटनी सीमान्तर्गत विभिन्न क्षेत्रों में पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश के बाद सक्रिय नगर निगम अमले ने सोमवार 5 जनवरी को विभिन्न जल स्त्रोतों के निरीक्षण , सैंपलिंग एवं जांच की कार्यवाही की।। इसके तहत विभिन्न वार्डों में पेयजल गुणवत्ता से संबंधित मैदानी सर्वेक्षण भी किया जाकर पेयजल के सैंपल संकलित किए गए।

सर्वेक्षण के दौरान जल आपूर्ति बिंदुओं का निरीक्षण करते हुए पानी की स्वच्छता एवं उपयोगिता पर विशेष ध्यान दिया गया। जांच में पाया गया कि क्षेत्र में जल आपूर्ति की स्थिति गुणवत्तापूर्ण पाई गई। पाइपलाइन के माध्यम से की जा रही जलापूर्ति, नलों से साफ एवं स्वच्छ सुगम जल आपूर्ति। की जा रही है। नगर निगम कर्मियों द्वारा सर्वेक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद भी किया गया। पुरुषों एवं बुजुर्ग नागरिकों से चर्चा में नागरिकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्हें स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल प्राप्त हो रहा है, पानी पीने योग्य है तथा पानी से संबंधित किसी प्रकार की समस्या नहीं है। नागरिकों ने यह भी बताया कि वे नियमित रूप से इसी पानी का उपयोग कर रहे हैं। वर्तमान में पानी से संबंधित कोई शिकायत या समस्या सामने नहीं आई है और जल आपूर्ति व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो रही है।

इस कार्य में संलग्न अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा सोमवार को सर्वेक्षण के दौरान बाबा नारायण शाह वार्ड, काली माता मंदिर, माधवनगर रॉबर्ट लाईन, संत कंवरराम वार्ड टंकी नंबर 4, झिंझरी स्थित बिलहरी मोड नई पानी की टंकी, अल्फर्ट गंज मोहन टॉकीज रोड, कोतवाली थाना सिटी सप्लाई, जगमोहनदास वार्ड स्थित जंगल दफ्तर पानी की टंकी, सुधार न्यास कॉलोनी, महात्मा गांधी वार्ड कनकने स्कूल टंकी सप्लाई हेतु हरिजन बस्ती, निषाद स्कूल टंकी सप्लाई हेतु केवट कॉलोनी, मानसरोवर कॉलोनी टंकी, हाउसिंग बोर्ड टंकी, अमीरगंज स्थित नई टंकी, डनहिल टैंक सप्लाई हेतु बरगवां बंधवा टोला, सहित अन्य स्थलों से पानी के सैंपल लिये जाकर जांच हेतु लैब भेजे गए। वहीं मदन मोहन चौबे वार्ड में खराब पानी की सप्लाई की शिकायत पर वार्ड से सैंपल लिया जाकर टेस्टिंग हेतु लैब भेजने की कार्यवाही की गई। वहीं सुचारू पेयजल आपूर्ति के मद्देनजर सुधार न्यास कॉलोनी के संपवेल की सफाई का कार्य कराया गया। नगर निगम प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि यदि कहीं भी पेयजल की शुद्धता को लेकर किसी प्रकार की शिकायत हो, तो नागरिक तत्काल नगर निगम के हेल्पलाइन नंबर 9351136230 पर संपर्क करें, ताकि समय पर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके।

खबर संक्षेप

जनसुनवाई शिकायत पर बड़ी कार्रवाई, पटवारी पर 10 हजार का अर्थदंड

अनूपपुर। अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पांडेय ने बताया कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायत पर संज्ञान लेते हुए लापरवाह दुल्हीबांध तहसील कोतमा के पटवारी रणधीर विक्रम प्रताप सिंह पर 10,000 रुपए का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। गौरतलब है कि प्रकरण में 16 दिसंबर 2025 को जनसुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता चंद्रवती यादव, निवासी दुल्हीबांध, तहसील कोतमा द्वारा शिकायत प्रस्तुत की गई थी। जांच में पाया गया कि संबंधित पटवारी रणधीर विक्रम प्रताप सिंह, पदस्थ दुल्हीबांध तहसील कोतमा द्वारा जन आकांक्षा पोर्टल में लंबित शिकायत का निराकरण नहीं किया गया तथा आवेदक को अनावश्यक रूप से परेशान किया गया। शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद शिकायत का समाधान न करने पर संबंधित पटवारी पर 10,000 रुपए का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है।

पुलिस एवं मीडिया कर्मी द्वारा जरूरतमंदों को किया गया कंबल वितरण

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर अंतर्गत मंगलवार को पुलिस एवं मीडिया कर्मी द्वारा गरीब बस्तियों में जाकर जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया गया। थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ल के द्वारा वार्ड 9 कलमुडी बस्ती, दमकी टोला, गणेशनगर गोविंदा सहित अन्य बस्तियों में जाकर असहाय एवं जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया गया। कंबल वितरण के साथ गरीब लोगों से बातचीत कर बच्चों की शिक्षा उनकी जरूरत को पूरा करने का भरोसा दिलाया। पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण ठंड में अचानक कंबल पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे। कंबल वितरण के दौरान टीआई रत्नाम्बर शुक्ल, गोविंद प्रजापति, अजय ताम्रकार, दीपेश जैन सहित अन्य लोग शामिल रहे।

जनसुनवाई में प्रभारी कलेक्टर ने 32 आवेदन पत्रों में की सुनवाई'

अनूपपुर। जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित किया गया। प्रभारी कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी ने 32 आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगणों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई के दौरान ग्राम चोई, धनगवां पूर्वी के संतोष कुमार कोल द्वारा ग्राम चोई पडरिया में मूलभूत सुविधाओं की कमी तथा संबंधित भूमि के खसरा नक्शा उपलब्ध न होने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। ग्राम बरबसपुर, पौड़ी चौड़ी, कोतमा के रामचंद्र दुबे द्वारा मुर्रा हिंदुस्तान पावर जनरेटिंग कंपनी द्वारा निर्मित बांध में अत्यधिक जलभराव की समस्या से अवगत कराया गया। तहसील कोतमा के ग्राम सुखीराम पुरी के आवेदक द्वारा कब्जे की भूमि पर अनावेदक द्वारा अनावश्यक रूप से परेशान किए जाने की शिकायत की गई। जमुडी तहसील कोतमा के मोहन केवट द्वारा सीमांकन निरस्त कर चकबंदी अभिलेखों में सुधार कराए जाने हेतु आवेदन दिया गया। राजेंद्र ग्राम के पंचम सिंह सहित अन्य सहयोगियों द्वारा मॉडल स्कूल के निर्माण कार्य में की गई मजदूरी का भुगतान कराए जाने की मांग की गई। ग्राम ढुलारा के अयोध्या प्रसाद पटेल द्वारा अनावेदक के द्वारा खेत जोत लेने संबंधी शिकायत एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया। ग्राम छुल्हा, पोस्ट अमगवां की श्रीमती ममता सिंह द्वारा आंगनवाड़ी सहायिका भर्ती 2025 में बीपीएल कार्ड अमान्य होने के कारण आवेदन निरस्त किए जाने की शिकायत की गई। इसके अतिरिक्त अन्य आवेदकों द्वारा समग्र आईडी में सुधार, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ प्रदान किए जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए गए।

हाल-ए-सरकारी अस्पताल! बीमार जिला अस्पताल..कब होगा इलाज?

मरीजों की परेशानी से अनजान हैं 'धरती के भगवान'

हरिभूमि मुहिम

मरीजों को गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता-कलेक्टर जिलाधीश के आदेशों की नाफरमानी, रद्दी की टोकरी मे आदेश

इंदिरा तिराहा स्थित जिला अस्पताल इन दिनों बीमारी की हालत से जूझ रहा है क्योंकि यहां धरती के भगवान का लगभग टोटा ही है क्योंकि स्वीकृत सीटों के अनुपात मे एक तो डॉक्टरों की कमी दूसरा जो भी डॉक्टर व स्टाफ हैं वे अपनी मनमानी प्रवृत्ति के कारण मरीजों का प्रतिशत बढ़ा रहे हैं। इससे जहां एक ओर सरकार के दावों की जमीनी हकीकत की पोल खुद-ब-खुद खुल रही है, वही जिलाधीश के आदेशों की भी नाफरमानी की जा रही है। चिकित्सकीय कार्य मे लगे जिम्मेदारों का गैर जिम्मेदाराना रवैया आमजन के लिए अब काफी कष्टदायी हो चला है। इससे इतर सिविल सर्जन अपने कर्तव्यों की इतिश्री तक ही दिखाई पड़ते हैं।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिला अस्पताल अनूपपुर मरीजों का वेटिंग हाल बनकर रह गया है। यहां डॉक्टर तय समय बाद पहुंचते हैं वही जिम्मेदार अधिकारी भी मौन बने हुए हैं मरीजों को परेशानी उठानी पड़ रही है। कुछेक ईमानदार डॉक्टरों जैसे डॉक्टर कौशिक, डॉ. सारीवान, डॉ. राजकुमार व बच्चों के डॉ. संजय सिंह के अलावा यहां पूरा का पूरा स्टाफ ही 10.15 बजे के बाद एक्टिव होता है। हालांकि सिविल सर्जन भी समय पर अस्पताल मे अपनी उपस्थिति दर्ज करा देते हैं, लेकिन बकौल मरीज उनके रहने अथवा न रहने से कोई फर्क नही पड़ता क्योंकि किसी भी डॉक्टर अथवा स्टाफ के गायब होने पर उनसे जानकारी लेने पर वे अक्सर टालमटोल की स्थिति मे रहते हैं। इसके अलावा अधिकांश 'धरती के भगवान' व स्टाफ अस्पताल परिसर मे दाखिल होकर मुख्य दरवाजे के सामने लगभग 11 बजे तक गुनगुनी धूप का आनंद लेने के बाद ही अपने अपने केबिनों की ओर जाते हैं। इससे पहले वे किसी भी हाल मे गुनगुनी धूप का मजा किरकिरा नही होने देना चाहते फिर मरीज क्यों न दुनिया के भगवान के पास पहुंच जाये। इधर कलेक्टर मीटिंग पर मीटिंग लेकर बेहतर सेवा की लगातार समझाइश दे रहे हैं, लेकिन कलेक्ट्रेट से लौटते ही उन सलाह को स्वास्थ्य अमला मास्क की तरह उतार कर फेंक देता है।

'रूढ़विादी प्रथा' का कब होगा अंत

जिला अस्पताल अनूपपुर की अव्यवस्थाओं में कोई सुधार नहीं हो रहा है। दूर-दराज से आए हुए ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही है। ओपीडी में डाक्टरों की अनुपस्थिति उसी प्रकार से चल रही है, जैसी पहले चलती थी। वार्ड ब्वॉय कहां है, किसी को नहीं पता और किस स्थान पर काम कर रहे हैं। वार्ड ब्वॉय नहीं होने की स्थिति परिजनों को अपने हाथों में ही मरीजों को उठा कर ले जाना पड़ रहा है। आलम यह है कि आये दिन मरीज व परिजनों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में कोई भी गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है, इसके लिए कौन जिम्मेदार है, पता नहीं। इसके अलावा चिकित्सकीय स्टाफ का मरीजों व उनके परिजनों से रूखापन भी स्थिति को और गंभीर कर रहा है। ऐसी स्थिति मे बीमार जिला चिकित्सालय का जमीनी स्तर पर आखिर इलाज कब होगा या फिर ऐसे ही कागजों मे जांच व पूरी कार्यवाही खत्म कर फाइल किसी कोने मे फेंक दी जायेगी। चूंकि यह कुछ महीने या दिन की बात नही बल्कि सालों से चली आ रही बेपरवाह चिकित्सा परंपरा की है जो किसी भी हाल मे खत्म होने का नाम नही ले रही है। क्योंकि देखा गया है कि यहां की 'रूढ़ीवादी प्रथा' की जिला स्तर पर कई बार अंत करने की कोशिश की गई, लेकिन हर बार सफलता सिर्फ कागजों मे ही मिली।

ओपीडी में नहीं मिलते डॉक्टर

कुछ साल पहले की तुलना में जिला अस्पताल में चिकित्सकों की संख्या में कुछ वृद्धि हो गई है, लेकिन मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी की कार्यशैली की शिथिलता के कारण अधिकांश चिकित्सक ओपीडी में चिकित्सा करने के बजाय अपने बंगले अथवा निजी चिकित्सालयों में ज्यादा चिकित्सकीय कार्य करते हुए दिखाई देते हैं। इस सबकी शिकायत कई स्तरों पर जागरूक नागरिकों के द्वारा की गई है, पर 'सेटिंग' मे महारत हासिल किये धरती के भगवान फिर 'सेटिंग' बिठाने मे कामयाब जरूर हो जायेंगे। क्योंकि विभाग में जिले के दो बड़े जिम्मेदार ही इस मामले के स्वयं सूत्रधार हैं। जिम्मेदार प्रशासकीय अधिकारियों के औचक निरीक्षण में यह बात हमेशा सही साबित होती दिखाई देती है।

गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सेवाएं सर्वोच्च प्राथमिकता

ज्ञात हो कि 16 दिसंबर 2025 को सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित नर्मदा सभागार में जिला चिकित्सालय अनूपपुर की स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा था कि जिला चिकित्सालय में मरीजों को गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिला चिकित्सालय आने वाले मरीजों को इधर-उधर भटकना न पड़े, इसके लिए बेहतर उपचार, जांच एवं दवा वितरण की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। कलेक्टर ने सिविल सर्जन को निर्देशित किया कि जिला चिकित्सालय में कार्यों का स्पष्ट विभाजन किया जाए तथा मैनेजमेंट सिस्टम को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाए, ताकि मरीजों को माकूल सुविधाएं मिलें और उन्हें अस्पताल में सकारात्मक वातावरण का अनुभव हो। कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय की साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की और संबंधित अधिकारियों को अस्पताल परिसर में बेहतर स्वच्छता एवं सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में डॉक्टरों की उपस्थिति, इमरजेंसी सेवाओं में तैनात चिकित्सकों तथा रात्रिकालीन ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों की स्थिति, एंबुलेंस उपलब्धता एवं व्यवस्था, ब्लड उपलब्धता एवं संग्रहण की भी समीक्षा की गई। नेत्र जांच, सोनोग्राफी, फिजियोथैरेपी सहित अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा कर आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए थे।

कागजों तक सीमित डीएम का आदेश

बैठक में कलेक्टर ने सिविल सर्जन को निर्देशित किया था कि जिला चिकित्सालय में संचालित विभिन्न संदर्भ स्वास्थ्य सेवाओं तथा व्यवस्थाओं का सतत मॉनिटरिंग करें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के परख एप में निरीक्षण और परिसंपत्ति प्रबंधन की जानकारी अपलोड करने के निर्देश दिए, ताकि जिला चिकित्सालय की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जा सके और स्वास्थ्य विभाग के कामकाज में सुधार हो सके व कार्य में पारदर्शिता लाई जा सके। साथ ही उन्होंने सभी चिकित्सकीय अमले की समय पर उपस्थिति भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय में उपलब्ध दवाइयों तथा उनके वितरण, नवंबर माह के दौरान जिला चिकित्सालय में ओपीडी एवं आईपीडी में आए मरीजों सहित अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं एवं गतिविधियों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलका तिवारी, सिविल सर्जन डॉ. एस.आर. परस्ते सहित जिला चिकित्सालय का चिकित्सकीय अमला उपस्थित था। उक्त निर्देश कलेक्टर ने 16 दिसंबर को दिये थे, लेकिन इसके बाद भी किसी भी दिन देखा जा सकता है कि सुबह अधिकांश चिकित्सकीय स्टाफ समय पर ड्यूटी मे उपस्थित नही रहता वही उनके कामकाज सहित मरीजों व उनके परिजनों से व्यवहार की स्थिति उसी पुराने ढर्रे पर चल रही है। लगातार एक सप्ताह तक पूरी जानकारी एकत्रित करने के बाद जिला चिकित्सालय की चरमराई हालत पर हरिभूमि का यह पहला एपिसोड है, आगामी दिनों मे यहां की कुछ अनछुई आंतरिक गतिविधियों से भी अवगत कराया जायेगा।

अवैध रेत उत्खन्न करने वाले रेत माफिया के विरूद्ध की गई कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

पुलिस अधीक्षक मोती उर्र रहमान द्वारा अवैध रेत उत्खन्न करने वाले रेत माफिया के विरूद्ध लगातार चलाये जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम, एसडीओ(पी.) सुमित केरकट्टा के निर्देशन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक अमर वर्मा एवं चौकी प्रभारी उप निरीक्षक प्रवीण कुमार साहू के मार्गदर्शन में की गई कार्यवाही। 04 जनवरी को कस्बा गस्त भ्रमण के दौरान मुखविर द्वारा सूचना दी गई की जमुना प्रजापति निवासी लाईनपार वेंकटनगर का कुम्हरान अलान नदी से रेता चोरी कर वेंकटनगर तरफ विक्रय करने जायेगा मुखविर की सूचना का पंचनामा हमराह स्टाफ आर. 288 विजय टाटू एवं आर. 281 सोनू पर्ते के समक्ष 04 जनवरी के 22.45 बजे रेलवे चौराहा वेंकटनगर में तैयार किया गया। कार्यवाही हेतु हमराह स्टाफ पुलिस चौकी के वाहन से मुखविर की सूचना की दस्दीक करने लाईनपार वेंकटनगर को रवाना हुये कस्बा वेंकटनगर के रास्ते से दो स्वतंत्र साक्षीयो को साथ लेकर मुखविर की सूचना से अवगक करा कर बताया गया की आप के समक्ष कार्यवाही करना है आप साथ चले तब दोनो साक्षी हमराह होकर गये। जैसे ही रेलवे अंजर ब्रिज वेंकटनगर को पार कर उस तरफ गये तो सामने से एक ट्रेक्टर आते दिखा जिसे हाथ देकर रूकवाया गया जो टेक्टर चालक ने ट्रेक्टर को रोक लिया पास जाकर देखा तो एक नीला रंग का ट्रेक्टर एवं पीछे नीला रंग की ट्राली लगी थी जिसमे पीछे रेता लोड थी चालक से नाम पता पूछा तो अपना नाम जमुना प्रजापति पिता रामकुमार प्रजापति उम्र 24 वर्ष निवासी लाईनपार कुमरानटोला वेंकटनगर थाना जैतहरी जिला अनूपपुर (म.प्र.) जिसे मौके पर धारा 94 नोटिस देकर ट्रेक्टर ट्राली के कागजात एंव ड्राईविंग लायसेंस तथा ट्राली में लोड रेत संबंधी कागजात पेश करने हेतु कहा गया जो वापसी नोटिस पर लेख कर बताया मेरे पास कोई कागजात नही है मेरा लायससेंस नही है। चालक जमुना प्रजापति का मौके पर गवाहन के समक्ष 04 जनवरी के 23.00 बजे मेमोरेण्डम लेख किया गया जो बताया मालिक राधिका प्रसाद पाण्डेय निवासी लाईनपार वेंकटनगर का ट्रेक्टर है मालिक के कहने पर अलान नदी से रेता चोरी कर वेंकटनगर तरफ बेजने ले जा रहा था मेमोरण्डम के आधार पर वाहन राधिका प्रसाद पाण्डेय को आरोपी बनाया गया है। इसके बाद मौके पर ही आरोपी जमुना प्रजापति के कब्जे से मौके उपस्थित साक्षीयो के समक्ष एक अदद पुराना इस्तेमाली नीला रंग का ट्रेक्टर एवं पुरानी इस्तेमाली नीला रंग की ट्राली दोनो कीमती 500000 लाख एवं ट्राली में 02 घन मिटर रेता लोड कीमती 4000 रूपये कुल मशरूका 504000 रू.(पांच लाख चार हजार रू.) की मुताबिक जप्ती पत्रक के 04 जनवरी के समय 23.11 बजे जप्त कर कब्जे पुलिस लिया गया है। आरोपी जमुना प्रजापति पिता रामकुमार प्रजापति उम्र 24 वर्ष निवासी लाईनपार कुमरानटोला वेंकटनगर थाना जैतहरी जिला अनूपपुर (म.प्र.) के विरुध्द धारा 303(2), 305, 317(5) बीएनएस एवं 4/21 खान एवं खनिज विकास अधिनियम 1957 का अपराध घटित करना पाये जाने तथा प्रकरण में 07 वर्ष से कम सजा होने से सुप्रीम कोर्ट की गाईड लाईन का पालन किया गया आरोपी चालक जमुना प्रजापति का अभिरक्षा पत्र भर कर न्यायालय उपस्थित होने हेतु धारा 35(3) बीएनएसएस का नोटिस देकर पावंद कर छोड़ा गया। हमराह एंव जप्त शुदा सम्पत्ति के चौकी वेंकटनगर लाकर सुरक्षार्थ चौकी परिसर खड़ा कराया गया है। इसके बाद पिछे से वाहन मालिक राधिका प्रसाद पाण्डेय पिता स्व. जगदीश प्रसाद पाण्डेय उम्र 65 वर्ष निवासी लाईनपार वेंकटनगर थाना जैतहरी जिला अनूपपुर (म.प्र.) चौकी वेंकटनगर में उपस्थित हुआ जिसको धारा 94 का नोटिस देकर ट्रेक्टर ट्राली कागजात पेश करने हेतु दिया गया है। जो वाहन एवं रेता के संबंध में कोई भी कागजात पेश नही किये है। प्रकरण में 07 वर्ष से कम सजा होने से सुप्रीम कोर्ट की गाईड लाईन का पालन किया गया आरोपी वाहन मालिक राधिका प्रसाद पाण्डेय का अभिरक्षा पत्र भर कर न्यायालय उपस्थित होने हेतु धारा 35(3) बीएनएसएस का नोटिस देकर पावंद कर छोड़ा गया। वापसी पर आरोपी चालाक एंव वाहन मालिक के विरूद्ध अपराध क्र. 13/2026 धारा 303(2),305(म), 317(5), 4/21 खनिज अधिनियम का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया है। आरोपीयों के विरुध्द इस्तागासा धारा 4/21 खान एवं खनिज अधिनियम का तैयार कर कार्यालय कलेक्टर (खनिज) जिला अनूपपुर में प्रथक से पेश किया है। उक्त कार्यवाही में सउनि. सुरेश कुमार अहिरवार, आर. 281 सोनू पर्ते एवं आर. 288 विजय टाटू का विशेष योगदान रहा है।

हर घर जल का दावा फेल, जिला मुख्यालय में ढाई साल से सूखा पड़ा हैण्डपंप

अनूपपुर। प्रदेश शासन का हर घर जल का दावा जिला मुख्यालय मे ही फेल होता दिख रहा है। यहां एक तो नगर पालिका की जल प्रदाय मे मनमानी तो दूसरी ओर पीएचई विभाग का मनमाना रवैया क्षेत्रवासियों के लिए मुसीबत का सबब बन चुका है। नगर पालिका परिषद अनूपपुर के वार्ड नंबर 1 मे गोविंदम होटल के पीछे स्थित बंद हैण्डपंप ढाई वर्षों से अपनी मरम्मत का बाट जो रहा है, लेकिन न तो पीएचई विभाग और न ही नगर पालिका का ध्यान इस ओर जा रहा है जबकि बंद हैण्डपंप के सुधार के लिए कई बार प्रभावितों ने जिम्मेदारों को याद दिलाया। हद तो तब हो जाती है जब नगर पालिका अनूपपुर की अध्यक्षा भी इस गंभीर समस्या से अंजान दिखाई पड़ती हैं क्योंकि वह भी इसी वार्ड की जनता के वोट से जीत हासिल कर अध्यक्ष की कुर्सी पर विराजमान हुई हैं। यहां के लोग कुआं का दूषित पानी पीने को मजबूर हैं जबकि उक्त कुएं मे भी शहर के गंदा पानी का रिसाव हो रहा है, दूसरी ओर इस मोहल्ले में आज तक पेयजलापूर्ति के लिए पाईप लाईन तक नहीं बिछाई गई है। यह विडम्बना ही होगी कि नपाध्यक्ष के वार्ड मे वार्डवासी पीने के शुद्ध पानी को तरस रहे हैं और पीएचई समेत नपा व प्रदेश शासन हर घर जल का ढिंढोरा पीट रही है। जब जिला मुख्यालय मे ही पीने के पानी के लिए इतनी लंबी जद्दोजहद करनी पड़ रही है तो ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति अपने आप स्पष्ट हो जाती है। वार्डवासियों खराब हैण्डपंप पर तत्काल सुधार करने समेत जल्द पाईप लाइन विस्तार की मांग की है।

न्यू जोन प्राइवेट लिमिटेड एवं टोरंट पावर लिमिटेड की आज पर्यावरण संरक्षण जनसुनवाई

विकास, पर्यावरण और ग्रामीण सहभागिता का संतुलित मॉडल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर जिले में पावर प्रोजेक्ट को लेकर न्यू जोन प्राइवेट लिमिटेड एवं टोरंट पावर लिमिटेड द्वारा आज 7 जनवरी को आयोजित की जा रही पर्यावरण संरक्षण जनसुनवाई को क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक स्तर पर इस जनसुनवाई को पारदर्शिता, संवाद और सहभागिता का सशक्त मंच माना जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि किसी भी बड़े औद्योगिक निवेश के साथ प्रश्न और आशंकाएं स्वाभाविक होती हैं, लेकिन कंपनी प्रबंधन द्वारा तथ्यों के साथ खुला संवाद स्थापित करने की पहल विश्वास को मजबूत करती है। इसी उद्देश्य से पर्यावरण प्रभाव आकलन से जुड़े सभी पहलुओं को जनसुनवाई में सार्वजनिक रूप से रखा जा रहा है।

आधुनिक तकनीक के साथ पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर- ग्रामीणों के अनुसार न्यू जोन प्राइवेट लिमिटेड एवं टोरंट पावर लिमिटेड का यह पावर प्रोजेक्ट नवीनतम और पर्यावरण अनुकूल तकनीकों पर आधारित है। जल प्रबंधन, वायु गुणवत्ता नियंत्रण, राख एवं अपशिष्ट निपटान, तथा हरित क्षेत्र विकास के लिए सभी वैधानिक एवं वैज्ञानिक मानकों के पालन का आश्वासन कंपनी द्वारा दिया गया है। अत्याधुनिक प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों और सतत निगरानी प्रणाली के माध्यम से पर्यावरणीय प्रभाव को निर्धारित सीमाओं के भीतर रखने की योजना ग्रामीणों के भरोसे को और मजबूत करती है।

7 जनवरी की जनसुनवाई संवाद और समाधान का मंच- 7 जनवरी को आयोजित पर्यावरण संरक्षण जनसुनवाई को ग्रामीण अपने विचार, सुझाव और शंकाएं रखने का एक महत्वपूर्ण अवसर मान रहे हैं। रक्सा गांव के पूर्व सरपंच अमोल सिंह मरकाम कहना है कि जनसुनवाई केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि स्थानीय समुदाय के साथ साझेदारी को सुदृढ़ करने की प्रक्रिया है। विशेषज्ञों की मौजूदगी में पर्यावरणीय, सामाजिक और तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा नया बल- ग्रामीणों का मानना है कि इस पावर प्रोजेक्ट से अनूपपुर क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। निर्माण चरण से लेकर संचालन अवधि तक स्थानीय युवाओं, तकनीकी कर्मियों और सेवा क्षेत्र से जुड़े लोगों को प्राथमिकता दिए जाने की नीति से क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। परिवहन, छोटे व्यापार, ढाबा, आवास और अन्य सहायक सेवाओं को भी इससे नई गति मिलने की संभावना जताई जा रही है।

सामाजिक और सामुदायिक विकास- न्यू जोन प्राइवेट लिमिटेड एवं टोरंट पावर लिमिटेड द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत आसपास के गांवों में स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, कौशल विकास, पेयजल, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दीर्घकालिक योजनाएं लागू करने की बात कही गई है। ग्रामीणों का कहना है कि इससे गांवों का समग्र सामाजिक विकास सुनिश्चित होगा।

विकास और विश्वास का संतुलन- स्थानीय ग्रामीण समुदाय इस परियोजना को केवल एक औद्योगिक इकाई नहीं, बल्कि अनूपपुर जिले के आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक भविष्य से जुड़ा अवसर मान रहा है। नियामकीय अनुपालन, पर्यावरणीय संवेदनशीलता और स्थानीय सहभागिता के साथ यह पावर प्रोजेक्ट विकास और विश्वास के संतुलन का उदाहरण है।

पवित्र नगरी अमरकंटक में दूसरे दिन भी जमी बर्फ: कड़ाके की ठंड और शीतलहर के आगोश में अमरकंटक, अलाव व गरम चाय सहारा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्य प्रदेश का सुप्रसिद्ध पर्यटन एवं धार्मिक आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में भीषण ठंड का प्रकोप लगातार जारी है। मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी अमरकंटक में मैदानों पर बर्फ जमी रही, जिससे पूरा क्षेत्र शीतलहर के आगोश में आ गया है। सोनमुड़ा, माई की बगिया मार्ग, गायत्री एवं सावित्री सरोवर के तटों पर सुबह-सुबह सफेद रूई की परत जैसी बर्फ जमी नजर आई। मैदानों की घास, फूल, पत्तियां और नदी की तलहटी में ओस की बूंदें जमकर बर्फ का रूप ले चुकी हैं। घास के मैदान मानो सफेद चादर ओढ़े हुए प्रतीत हो रहे हैं। उत्तर भारत में हो रही बर्फबारी और वहां से चल रही सर्द हवाओं का सीधा असर अमरकंटक में देखने को मिल रहा है। तापमान गिरकर शून्य के करीब पहुंच गया है, जिससे ठिठुरन भरी ठंड ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। सुबह और रात के समय हालात सबसे ज्यादा कठोर बने हुए हैं। भीषण ठंड से बचाव के लिए स्थानीय लोग और पर्यटक गरमा-गरम चाय की चुस्कियां और अलाव का सहारा ले रहे हैं। बाजारों, चौराहों और घरों के बाहर अलाव जलते नजर आ रहे हैं। हालांकि, फिलहाल ठंड से राहत मिलने की संभावना कम बताई जा रही है। जानकारों के अनुसार बीते लगभग 15 दिनों से तापमान लगातार नीचे बना हुआ है और शीतलहर के कारण जमाव की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में अमरकंटक में पड़ रही यह ठंड और जमती बर्फ नया इतिहास रचने की ओर अग्रसर मानी जा रही है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि यह कड़ाके की ठंड और कितने दिनों तक अपना असर बनाए रखती है।

संस्कार विधि महाविद्यालय, अनूपपुर (म.प्र.)

विश्वविद्यालय अधिनियम कॉलेज कोड 28 के अंतर्गत प्राचार्य एवं सहायक प्राध्यापक पद हेतु योग्य व अनुभवी अभ्यर्थी की आवश्कता है।

क्र.	पद	संख्या	शैक्षणिक अर्हता
1	प्राचार्य	01	55% न्यूनतम अंकों के साथ स्नातकोत्तर (एल एल.एम.)उपाधि एवं पीएच. डी. (विधि) तथा कम से कम 10 वर्ष का अनुभव, यू.जी.सी. म.प्र. शासन के नियमानुसार
2	सहायक प्राध्यापक	03	55% न्यूनतम अंकों के साथ स्नातकोत्तर (एल एल. एम.) उपाधि एवं यू.जी.सी. / म.प्र. शासन के नियमानुसार

नोट- 1. योग्यता एवं वेतनमान यू.जी.सी. / म.प्र. शासन के नियमानुसार 2. आवेदक अपने आवेदन पत्र समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति एवं स्वयं की फोटो सहित विज्ञापन प्रकाशन से 15 दिवस के अंदर स्वयं उपस्थित होकर कार्यालय, संस्कार विधि महाविद्यालय अनूपपुर (म.प्र.) में जमा करें।

आदेशानुसार
अध्यक्ष, शासी निकाय
संस्कार विधि महाविद्यालय, अनूपपुर (म.प्र.)